रक्षा मंत्री ने महू स्थित आर्मी वॉर कॉलेज का दौरा किया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **केंद्रीय रक्षा मंत्री ने मध्य प्रदेश के महू स्थित आर्मी वॉर कॉलेज का** दौरा किया। उन्होंने युद्ध के '**अपरंपरागत तरीकों**' को देश के सामने **नई चुनौतियों के रूप** में बताया।

मुख्य बिंदु

- **आधुनिक युद्ध में चुनौतियाँ:**
  - युद्ध के नए रूप जैसे **सूचना युद्ध, AI-आधारित युद्ध, छद्म युद्ध, विद्युत-चुंबकीय युद्ध, अंतरिक्ष युद्ध और साइबर हमले** प्रमुख चुनौतियों के रूप में उभर रहे हैं।
  - **इलेक्ट्रॉनिक चिप उत्पादन** में प्रभुत्व और **दुर्लभ मृदा सामग्रियों** पर एकाधिकार भी इन चुनौतियों में योगदान दे रहे हैं।
  - **हाइब्रिड युद्ध और ग्रेज़ोन युद्ध** सुरक्षा चिंताओं को और अधिक जटिल बनाते हैं।
- **महू प्रशिक्षण केंद्र की भूमिका:**
  - इस जटिल वातावरण में, भारतीय सेना के लिये **सभी संभावित खतरों से निपटने के लिये अच्छी तरह प्रशिक्षित और सुसज्जित रहना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।**
  - महू स्थित प्रशिक्षण केंद्र इन आधुनिक चुनौतियों के लिये सैन्य बलों को तैयार करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
  - महू **200 से अधिक वर्षों से अपनी सैन्य उत्कृष्टता के लिये जाना जाता है,** जिसके कारण इसके प्रशिक्षण केंद्र सेना की तैयारी के लिये महत्त्वपूर्ण हैं।
- **सेनाओं के बीच एकीकरण और संयुक्तता:**
  - सरकार **तीनों सैन्य शाखाओं के बीच एकीकरण और संयुक्तता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।**
  - इस दृष्टिकोण का उद्देश्य भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिये बलों को बेहतर ढंग से सुसज्जित करना है।
  - महू छावनी सेना की सभी शाखाओं के **अधिकारियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करती है।**
- **भारत के विकास का विज़न:**
  - **भारत का लक्ष्य वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र** बनना है तथा वर्तमान अवधि को वह परिवर्तन का समय मानता है।
  - भारतीय सेना **निरंतर आधुनिक हथियारों से उन्नत हो रही है,** न केवल अपनी सेना को सुसज्जित कर रही है, बल्कि घरेलू स्तर पर निर्मित उपकरणों का निर्यात भी अन्य देशों को कर रही है।
- **रक्षा मंत्री का दौरा:**
  - रक्षा मंत्री ने **डॉ. बी.आर. अंबेडकर** को समर्पित **भीम जन्मभूमि स्मारक का दौरा किया,** जहाँ उन्होंने **भारतीय संविधान के निर्माता** को श्रद्धांजलि अर्पित की।
  - उन्होंने डॉ. अंबेडकर की प्रशंसा करते हुए उन्हें निःस्वार्थ सेवा का प्रतीक बताया, जो **सामाजिक समानता और सशक्तिकरण के लिये समर्पित थे।**

ग्रे-ज़ोन युद्ध

- यह **संघर्ष के एक ऐसे स्वरूप को संदर्भित करता है, जिसमें ऐसी कार्रवाइयां की जाती हैं जो पारंपरिक युद्ध की सीमा से नीचे होती हैं,** लेकिन इनका उद्देश्य **अस्पष्टता, अस्वीकार्यता और बल प्रयोग के माध्यम से रणनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करना होता है।**
- ग्रे-ज़ोन युद्ध में, विरोधी सीधे खुले युद्ध में शामिल हुए बिना अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये **साइबर हमले, आर्थिक दबाव और छद्म संघर्ष** जैसी रणनीति अपनाते हैं।
- यह शांति और संघर्ष के बीच की रेखाओं को धुंधला कर देता है तथा **अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिये गंभीर चुनौतियां उत्पन्न करता है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/defence-minister-visit-to-army-war-college-at-mhow